समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

सना मलिक के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई, बहुविवाह और समान नागरिक संहिता पर छिड़ी नई बहस

Sanket Morankar Published on 25 Jun 2026

महाराष्ट्र विधानसभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) की विधायक सना मलिक के एक बयान के बाद राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। समान नागरिक संहिता (UCC), मुस्लिम पर्सनल लॉ और बहुविवाह जैसे मुद्दों पर दिए गए उनके वक्तव्य को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

विधानसभा में क्या कहा ?

विधानसभा में समान नागरिक संहिता पर चर्चा के दौरान सना मलिक ने कहा कि मुस्लिम समुदाय अपने धार्मिक कानूनों का पालन करता है और इस विषय पर चर्चा करते समय धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को किसी विशेष धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

उनके वक्तव्य के बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के कई नेताओं ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं।

भाजपा और शिवसेना नेताओं की प्रतिक्रिया

भाजपा और शिवसेना के कई नेताओं ने सना मलिक के बयान पर आपत्ति जताई।

शिवसेना नेता शायना एनसी ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान से जुड़े मामलों में समानता और न्याय सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक समाज में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए समान नागरिक संहिता जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा आवश्यक है।

भाजपा विधायक मनीषा चौधरी ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था संविधान के अनुसार संचालित होती है और सभी नागरिकों के लिए संवैधानिक प्रावधान सर्वोच्च हैं।

मंत्री नितेश राणे ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए समान नागरिक संहिता का समर्थन किया और कहा कि देश में संवैधानिक व्यवस्था का पालन किया जाना चाहिए।

विवाद बढ़ने के बाद सना मलिक की सफाई

विवाद बढ़ने के बाद सना मलिक ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि उनके वक्तव्य को संदर्भ से अलग प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना था और किसी धर्म या समुदाय को निशाना बनाना नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी विधानसभा में चल रही बहस के दौरान दिए गए एक संदर्भ के जवाब में थी।

समान नागरिक संहिता पर फिर तेज हुई बहस

इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता और व्यक्तिगत कानूनों को लेकर राजनीतिक बहस फिर तेज हो गई है। एक पक्ष सभी नागरिकों के लिए समान कानून की वकालत कर रहा है, जबकि दूसरा पक्ष धार्मिक और व्यक्तिगत कानूनों के संरक्षण की बात कह रहा है।

फिलहाल सना मलिक के बयान और उस पर आई राजनीतिक प्रतिक्रियाओं को लेकर राज्य की राजनीति में चर्चा जारी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.